एक सराहनीय कदम

H.M. 6/10/03

गुरुवार को मुंबई शहर में एक अति सराहनीय कदम यहां के धर्मनिरपेक्ष मुस्लिमों ने उठाया है, इन सेक्युलर मुस्लिमों में जावेद अख्तर, जावेद आनंद, हसन कमाल के अलावा भोपाल, दिल्ली, कोल्हापुर, हैदराबाद और पटना के लोग भी शामिल थे. इन लोगों ने एक संस्था का गठन किया जिसका नाम 'मुस्लिम फॉर सेक्युलर डेमोक्रॉसी' (एमएसडी) दिया गया. एम एसडी कोई राजनीतिक संगठन नहीं है. बल्कि इसका गठन सामाजिक संस्था के रूप में किया गया है. संस्था का मुख्य उद्देश्य है कि संघ परिवार द्वारा जो हिंसात्मक नफरत फैलायी जा रही है. उसका तोड़ करना तथा मुस्लिम रुढ़िवादियों, को जो कि पूरी मुस्लिम बिरादरी का अपने आपको ठेकेदार मान बैठे हैं उनका जवाब देना.एमएसडी में भी मुस्लिम ही पदाधिकारी हैं. लेकिन ये न तो रूढ़िवादी हैं और न कट्टरपंथी, इस संस्था में पढ़े लिखे, पत्रकार, गीतकार, वकील, बिजनेस मैन तथा मुस्लिम समुदाय के और भी यह गणमान्य लोग हैं जिनका अपना आचरण शुरू से ही सेक्युलर रहा है.

आज समाज में जिस प्रकार हिंदू-मुस्लिम की खाई बढ़ती जा रही है, जिस तरह दोनों समुदायों के दिलों में एक-दूसरे के लिए नफरत फैल रही है इसे रोकना बहुत जरूरी हो गया था, यदि इसे रोका नहीं गया तो देश विनाश की ओर ही जायेगा. और इसे रोकने के लिए समाज में फैली विषमता को दूर करने के लिए यह जरूरी था कि कोई ऐसी संस्था बनायी जाय और उसकी पहल मुसलमानों की ओर से की जाय. हालांकि बहुत सी मुस्लिम संगठने आज भी मौजूद है. लेकिन इन संगठनों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि ये आगे आकर अगर कहीं मुसलमानों की ज्यादती है तो उसे भी लताडेगी. एमएसडी में वह लोग हैं. जो हिंदुओं के अलावा उन मुसलमानों पर भी उंगली उठाते रहे हैं. जो कट्टरवादिता को बढ़ावा दे रहे है और आज इस बात की जरूरत थी कि कट्टरपंथियों के बहकावे से जनता को बाहर लाया जाय और संघ परिवार के हिंसात्मक हो गये झूठे प्रचार, प्रसार का मुंहतोड़ जवाब दिया जाय. ऐसी हालत में एमएसडी संस्था का गठन एक सराहनीय कदम है.